PGDDM

# सत्रीय कार्य 2023

(जनवरी 2023 और जुलाई 2023 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.डी.एम.)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

# आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

**प्रस्तुतीकरण आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।**

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें:

| सत्रीय कार्य संख्या | प्रस्तुति की अंतिम तिथि | किसे भेजें |
|---|---|---|
| एम.पी.ए.–001<br>एम.पी.ए.–002<br>एम.पी.ए.–003<br>एम.पी.ए.–004<br>एम.पी.ए.–005<br>एम.पी.ए.–006<br>एम.पी.ए.–007<br>एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।) | जनवरी 2023 सत्र के लिए<br>30 सितंबर 2023<br><br>जुलाई 2023 सत्र के लिए<br>31 मार्च 2024 | अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को |

# सत्रीय कार्य करने के निर्देष

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

**1) योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

**2) संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

**3) प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

**प्रो. उमा मेडूरी व प्रो. डौली मैथ्यू**

**(कार्यक्रम संयोजक)**

# एम.पी.ए.–001 प्राकृतिक आपदाओं को समझना

## सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

**पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–001**

**सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2023**

**अंक : 50**

**इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

### भाग–I

1. केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर आपदा प्रबंधन प्रणाली के महत्व का वर्णन कीजिए। 10

2. सूखे के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए और आपदा प्रबंधन में राजस्थान सरकार की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10

3. गुजरात के भूकंप संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए आप क्या उपाय सुझाना चाहेंगे? 10

4. 'आपदा प्रबंधन में चक्रवात संभावित राज्य में प्रभावी चेतावनी और पूर्वानुमान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं'। टिप्पणी कीजिए। 10

5. प्राकृतिक आपदाओं के विभिन्न प्रकारों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

### भाग–II

6. अवधाव संकट न्यूनीकरण की निष्क्रिय और सक्रिय पद्धतियों की चर्चा कीजिए। 10

7. भारतीय तटीय क्षेत्रों पर समुद्र तल में वृद्धि के प्रभावों का वर्णन कीजिए। 10

8. उष्णता और शीत लहरों के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए। 10

9. भौमिक पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का विवेचन कीजिए। 10

10. भूस्खलन के कारणों की चर्चा कीजिए, और इस आपदा न्यूनीकरण के लिए उपाय सुझाईए। 10

# एम.पी.ए.–002 मानव–निर्मित आपदाओं को समझना

## सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

**पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–002**

**सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2023**

**अंक : 50**

**इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

### भाग–I

1. मानव–निर्मित आपदाओं के स्वरूप और विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए। 10

2. जैविक आपदाओं के प्रमुख कारण और प्रभाव कौन–कौन से हैं? 10

3. कोयले में आग लगने संबंधी आपदा को कम करने की कार्यनीतियों का वर्णन कीजिए। 10

4. भवनों में आग लगने के प्रकारों की व्याख्या कीजिए। 10

5. 'तेल में लगने वाली आग के प्रबंधन में तैयारी और अनुक्रिया महत्वपूर्ण चरण है'। टिप्पणी कीजिए। 10

### भाग–II

6. वायु प्रदूषण के कारण पारिस्थतिकी और स्वास्थ्य पर प्रभावों की चर्चा कीजिए। 10

7. पर्यावरण और मानवों पर औद्योगिक बहिःस्रावों के प्रभाव का विवेचन कीजिए। 10

8. 'वनोन्मूलन बहु–सामाजिक और वातावरणीय समस्याएं उत्पन्न करता हैं।' व्याख्या कीजिए। 10

9. रेल दुर्घटनाओं में आपदा प्रबंधन व्यवहारों का विवेचन कीजिए और इन आपदाओं को कम करने के लिए जरूरी उपाय सुझाईए। 10

10. विमान दुर्घटनाओं के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए। 10

# एम.पी.ए.–003 जोखिम आंकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड एम.पी.ए.–003**

**सत्रीय कार्य कोड एम.पी.ए.–003**

**ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023**

**पूर्णांकः 50**

**प्रिय छात्र/छात्राओं**

**इस सत्रीय कार्य मे ं भाग– I और भाग– II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।**

### भाग – I

1. संवेदनशीलता को परिभाषित कीजिए तथा उसके विभिन्न कारकों की चर्चा कीजिए। 10

2. जोखिम को परिभाषित कीजिये तथा जोखिम पर होने वाले विभिन्न तत्वों की चर्चा कीजिए। 10

3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

4. जोखिम आकलन की विश्लेषणात्मक प्रणालियों की चर्चा कीजिए। 10

5. सहभागी जोखिम आकलन विधियों का परीक्षण कीजिए। 10

### भाग– II

6. 'गरीबी और संवेदनशीलता सह–संब ंधित हैं। चर्चा कीजिए। 10

7. आपदा क्षति के सामाजिक–आर्थिक निर्धारकों को उजागर कीजिए। 10

8. 'शहरी योजना में विभिन्न मुद्दे सम्मिलित होते हैं।' टिप्पणी कीजिए। 10

9. भारत के विशेष संदर्भ में चक्रवात की तैयारी का वर्णन कीजिए। 10

10. खतरा प्रतिरोधी रचना तकनीकों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

# एम.पी.ए.–004: आपदा तैयारी

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–004**
**सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए.–004**
**ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023**
**पूर्णांकः 50**

**प्रिय छात्र/छात्राओं**

**इस सत्रीय कार्य में भाग– I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।**

### भाग– I

1. प्रभावशाली आपदा प्रबंधन उपायों की चर्चा कीजिए। 10

2. आपदा प्रबंधन योजना की अवधारणा तथा महत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

3. आपदा तैयारी की गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10

4. 'समुदाय आधारित तैयारी योजना को आपदा–पूर्व, आपदा के दौरान, और आपदा–पश्चात् चरणों में होने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की आवश्यकता होती है। विस्तृत वर्णन कीजिए। 10

5. आपदा तैयारी के प्रोत्साहन में सूचना, शिक्षा, संचार, और प्रशिक्षण के घटकों एवं कार्यनीतियों का परीक्षण कीजिए। 10

### भाग– II

6. आपदा तैयारी मे ं अंतर्राष्टीय अभिकरणों की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 10

7. 'आपदा न्यूनीकरण उपकरणों में रोकथाम के लक्ष्यों को संबोधित करने के उपाय सम्मिलित हैं'। विस्तृत वर्णन कीजिए। 10

8. आपदाओं के प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

9. सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

क) हैम रेडियो 5

ख) जनसंचार प्रबंधन 5

# एम.पी.ए.–005: आपदा प्रतिक्रिया

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड एम.पी.ए.–005**

**सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए.–005**

**ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023**

**पूर्णांकः 50**

**प्रिय छात्र/छात्राओं**

**इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।**

### भाग – I

1. आपातकालीन योजनाओं के सक्रीयण में संचार और उसकी तकनीकों के महत्व की व्याख्या कीजिए। 10

2. आपदा स्थितियों के दौरान किये गये विभिन्न प्रकार के आकलन की चर्चा कीजिये। 10

3. राष्टीय स्तर पर आपदा प्रतिक्रिया के प्रशासनिक ढाँचे का वर्णन कीजिए। 10

4. आपदा स्थितियों में सशस्त्र बलों की तैनाती के स्वरूप का परीक्षण कीजिए। 10

5. आपदाओं के प्रबंधन से युवा संगठनों की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

### भाग – I

6. 'आपदा स्थितियों में मानव व्यवहार प्रबंधन एवं प्रतिक्रिया का अधिक महत्व हो जाता है।' विश्लेषण कीजिए। 10

7. तनाव के लक्षणों एवं प्रकारों की चर्चा कीजिए। 10

8. घबराहट की आवधारणा के व्यापक दृष्टिकोण को उजागर कीजिए। 10

9. खाद्य सहायता के न्यूनतम मानकों का परीक्षण कीजिए। 10

10. भारत में राहत प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

# एम.पी.ए.–006 : आपदा चिकित्सा

## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एमपीए– 006**

**सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2023**

**पूर्णांक : 50**

**प्रिय छात्र/छात्राओं**

**इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में 5 प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं। किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करें। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं।**

### खण्ड – I

1. 'महामारी रोग–विज्ञान की कार्यवाहियाँ एक मानकीकृत रास्ता अख्तियार करती हैं।' चर्चा कीजिए। **10**
2. स्वास्थ्य के प्रति जोखिम को कम करने के लिए स्वच्छता और सफाई एक रोकथाम उपाय है। टिप्पणी लिखिए। **10**
3. चिकित्सा तैयारी योजना की व्याख्या कीजिए। **10**
4. साजो-समान प्रबन्धन के विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए। **10**
5. 'दूर-दराज क्षेत्रों के चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया प्रदान करने में सुविधाएँ व बाधाएँ दोनों आती हैं।' विस्तृत वर्णन कीजिए। **10**

### खण्ड – II

6. 'स्वास्थ्य शिक्षा व प्रशिक्षण, स्वास्थ्य आपदा प्रबन्धन के महत्वपूर्ण क्षेत्र है ।' उजागर कीजिए। **10**
7. 'स्थल वर्गीकरण' और 'राहत कर्मियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा' आपदा प्रबन्धन के दो महत्वपूर्ण घटक हैं। व्याख्या कीजिए। **10**
8. सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबन्धन के महत्वपूर्ण भाग के रूप में संक्रामक रोग का नियन्त्रण तथा योजना सुरक्षा का विस्तृत उल्लेख कीजिए। **10**
9. भूकम्प के समय में चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया का वर्णन कीजिए। **10**
10. सूचना व संचार प्रौद्योगिकी का अर्थ व अवधारणा को उजागर करते हुए विभिन्न आपदाओं के प्रति चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया में भौगोलिक सूचना प्रणाली की भूमिका का वर्णन कीजिए। **10**

# एम.पी.ए.–007 पुर्नवास, पुर्ननिर्माण और पुर्नस्थान

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–007**
**सत्रीय कार्य कोड एम.पी.ए.–007**
**ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023**
**पूर्णांकः 50**

**प्रिय छात्र/छात्राओ**

**इस सत्रीय कार्य में भाग– I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।**

### भाग– I

1. आपदाओं और विकास के बीच संबंध का परीक्षण कीजिए। 10

2. आपदाओं के प्रबंधन में प्रभावी इलेक्ट्रानिक मीडिया के महत्व की चर्चा कीजिए। 10

3. संवेदनशीलता के विभिन्न मापदंडों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

4. आपदा प्रबंधन में अंतर्राष्टीय अभिकरणों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 10

5. आवास और आधारभूत संरचनाओं पर बाढ़ के प्रभाव की व्याख्या कीजिए। 10

### भाग–II

6. आपदा–रोधी निर्माण के लिए विभिन्न कोड मानकों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

7. आपदा पश्चात् पुननिर्माण में सरकारी तथा गैर–सरकारी अभिकरणों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

8. आपदा पुनर्वास में जन भागीदारी के महत्व को उजागर कीजिए। 10

9. आपदा पुनरूत्थान नियोजन की अवधारणा की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। 10

10. सूचना प्रसारण में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10